RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

# नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 315
दि. 19.03.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा


## योगी सरकार के नौ साल: सीएम बोले- हमने पीएम मोदी को 28 मार्च को जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन करने का न्योता भेजा है

लखनऊ (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर पुस्तक का विमोचन किया और इस दौरान प्रदेश की उपलब्धियों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि 28 मार्च को देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट का उद्घाटन होने वाला है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में बीते नौ साल में भाजपा सरकार होने का परिणाम यह है कि देश का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क यूपी के पास है। प्रदेश के सर्वाधिक सात शहरों में मेट्रो का संचालन हो रहा है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ में मेट्रो सेवा का शुभारंभ किया। देश की पहली रैपिड रेल दिल्ली और मेरठ के बीच प्रारंभ हो चुकी है।

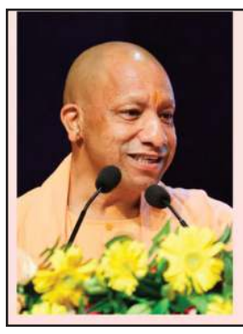

देश का पहला रोपवे वाराणसी में बन रहा है और देश का पहला इनलैंड वाटर वे वाराणसी से हल्दिया के बीच उत्तर प्रदेश में बना है। एयर कनेक्टिविटी के लिए उत्तर प्रदेश में 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट और चार इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन हो रहा है। वहीं, हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 28 मार्च को देश के सबसे बड़े जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन करने का न्योता भेज दिया है। मतलब 2017 के पहले जिस प्रदेश की पहचान दंगों और खराब कानून व्यवस्था से होती




थी उसकी पहचान आज विकास, सुशासन और इंफ्रास्ट्रक्चर से हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। सीएम योगी बोले: अब प्रदेश में न तो भय की जगह है, न ही दंगों का खतरा, भाजपा अध्यक्ष ने कहा- हम तीसरी बार आएंगे, मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व विकास और सतत समृद्धि के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बुधवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में 'नव निर्माण के 9 वर्ष' पुस्तक का विमोचन किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व उनकी विजनरी नेतृत्व क्षमता के तहत बीते 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में जो परिवर्तन हुआ है, वह डबल इंजन सरकार की नीतियों, पार्टी कार्यकताओं के अथक परिश्रम, जनप्रतिनिधियों की सेवा भावना और जनता जनार्दन के सहयोग का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता को इन 9 वर्षों की उपलब्धियों के लिए हृदय से बधाई देते हुए कहा कि यह परिवर्तन 25 करोड़ प्रदेशवासियों की सामूहिक शक्ति का प्रतीक है।

पहले न बेटियां सुरक्षित थीं न व्यापारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन 9 वर्षों की यात्रा को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि 2017 से पहले प्रदेश की स्थिति क्या थी। उत्तर प्रदेश जैसे असीम संभावनाओं वाले राज्य को पहचान के संकट का सामना करना पड़ रहा था। दुनिया की सबसे उर्वर भूमि और प्रचुर जल संसाधनों के बावजूद किसान आत्महत्या के लिए मजबूर था। प्रदेश का कारीगर, जो अपनी कला के लिए प्रसिद्ध था, वह उद्यमी बनने के बजाय श्रमिक बनकर पलायन करने को विवश था। युवाओं के सामने पहचान और रोजगार का संकट था, भर्ती प्रक्रियाएं भ्रष्टाचार और वसूली से प्रभावित थीं। कानून-व्यवस्था की स्थिति ऐसी थी कि न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी, और न ही आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस करता था। प्रदेश में विकास के लिए कोई स्पष्ट विजन नहीं था, जिसके कारण युवा वर्ग निराश होकर या तो पलायन करता था या संघर्ष में उलझा रहता था।

## उत्तर प्रदेश ने जल जीवन मिशन के दूसरे चरण के अंतर्गत सुधार से जुड़े समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

**केंद्र और राज्य ने जवाबदेह, टिकाऊ ग्रामीण पेयजल सेवा वितरण के लिए साझेदारी को मजबूत किया**

(जीएनएस)।

ग्रामीण पेयजल शासन में संरचनात्मक सुधारों को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के दूसरे चरण के अंतर्गत आज उत्तर प्रदेश के साथ एक सुधार से जुड़े समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह मिशन के सुधार से जुड़े कार्यान्वयन ढांचे में राज्य का औपचारिक प्रवेश है। जल जीवन मिशन के दूसरे चरण को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 10 मार्च 2026 को मंजूरी दी थी।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना और उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे।

समझौता ज्ञापन पर श्रीमती स्वाति मीणा नाइक, संयुक्त सचिव (जल), डीडीडब्ल्यूएस, जल शक्ति मंत्रालय, और श्री अनुराग श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव, नमामि गंगे और ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के बीच हस्ताक्षर किए गए और आदान-प्रदान किया गया।

पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) के वरिष्ठ अधिकारी श्री अशोक के. के. मीणा, सचिव, डीडीडब्ल्यूएस, श्री कमल किशोर सोन, अपर सचिव और राष्ट्रीय जल जीवन मिशन (एनजेजेएम) के मिशन निदेशक के साथ-साथ डीडीडब्ल्यूएस और उत्तर प्रदेश के अधिकारियों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश जल निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. राज शेखर और राज्य जल और स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश के अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर शामिल हुए।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व में जल जीवन



मिशन दूसरे चरण में संरचनात्मक सुधार के साथ सुनिश्चित सेवा वितरण, जवाबदेही और दीर्घकालिक स्थिरता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर इस सुधार का एक हिस्सा है और इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन को मजबूत करना है। उत्तर प्रदेश के विशाल भौगोलिक क्षेत्र और बड़े लाभार्थी आधार को देखते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मिशन के अंतर्गत पर्याप्त वित्तीय संसाधन देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। इस बात पर बल दिया कि सार्वभौमिक घरेलू नल से जल कवरेज प्राप्त करने के लिए इन निधियों का प्रभावी और समय पर उपयोग महत्वपूर्ण है। हाल के संसदीय विचार-विमर्श का उल्लेख करते हुए उन्होंने दोहराया कि केंद्र सरकार भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और गुणवत्ता चूक के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन करती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एसबीआई रिसर्च के अनुसार जल जीवन मिशन ने लगभग 9 करोड़ महिलाओं को पानी लाने के दैनिक कठिन परिश्रम से राहत दी है। इससे वे कृषि, आजीविका और उत्पादक गतिविधियों के लिए अधिक समय दे रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अध्ययन का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित पेयजल तक सार्वभौमिक पहुंच में महिलाओं के लिए हर दिन लगभग साढ़े 5 करोड़ घंटे बचाने और डायरिया रोगों के कारण सालाना लगभग 4 लाख मौतों को रोकने की क्षमता है। इन परिणामों के परिवर्तनकारी प्रभाव पर श्री पाटिल ने कहा कि जल जीवन मिशन केवल एक योजना नहीं है बल्कि एक जीवन को प्रभावित करने वाला मिशन है। यह विशेष रूप से महिलाओं और ग्रामीण समुदायों के लिए स्वास्थ्य, गरिमा और जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी सुधार ला रहा है। इस प्रकार हर गांव में नियमित और निरंतर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए और लोगों की शिकायतों का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए।

दूरदर्शी प्रधानमंत्री द्वारा जल संचय और जन भागीदारी से जल आंदोलन के महत्व के आ'ान पर उन्होंने कहा कि नल से जल के कनेक्शन प्रदान करने के साथ-साथ, स्रोत स्थिरता, जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन पर समान ध्यान दिया जाना चाहिए। विकसित भरत-जी राम जी के अंतर्गत उपलब्ध धन का उपयोग किया जाना चाहिए। मिशन के अंतर्गत प्राप्त महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभों की सराहना करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब लक्ष्य केवल हर घर जल नहीं है। ग्रामीण पेयजल सेवाओं की गुणवत्ता, निरंतरता और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए और सरकार को मिशन को एक सफल राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्थापित करने के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन से पहले, राज्य के केवल सीमित संख्या में गांवों में पाइप से पीने का पानी उपलब्ध था। पूर्वी उत्तर प्रदेश का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पानी की खराब गुणवत्ता के कारण इंसेफलाइटिस जैसी गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियां पैदा हो गई हैं। इसके परिणामस्वरूप पिछले कुछ वर्षों में उच्च मृत्यु दर हुई है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता तक बेहतर पहुंच ने अब इन क्षेत्रों में मृत्यु दर को शून्य के करीब ला दिया है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण महिलाओं (माताओं, बहनों और बेटियों) के सामने लंबे समय से चली आ रही पेयजल कठिनाइयों को दूर करने और जल जीवन मिशन को एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री के दयालु और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए आभार व्यक्त किया। इसने गरिमा बहाल की है, स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया है और लाखों परिवारों के दैनिक कठिन परिश्रम को कम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार परिसंपत्तियों के उचित संचालन और रखरखाव के साथ नियमित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके अलावा अलग-अलग शौचालयों और पीने के पानी की सुविधाओं की कमी छात्राओं के स्कूल छोड़ने में एक प्रमुख कारक था। इसे अब स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत अलग शौचालयों और स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत सुरक्षित पानी के प्रावधान के माध्यम से दूर किया गया है। इससे स्कूल छोड़ने की दर में कमी आई है। राज्य में पेयजल कवरेज का विस्तार बुंदेलखंड के पानी की कमी वाले क्षेत्रों और चट्टानी विंध्य क्षेत्र से गंगा और यमुना के साथ फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्रों तक किया गया था। यह अंततः पहले शामिल नहीं किए गए गांवों को इसमें शामिल करता है और गुणवत्ता, पारदर्शिता और टिकाऊ ग्रामीण पेयजल सेवा वितरण के लिए राज्य की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

समझौता ज्ञापन में 11 प्रमुख संरचनात्मक सुधार क्षेत्रों का कार्यान्वयन शामिल है।

### निर्वाचन आयोग ने 5 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में हिंसा-मुक्त और प्रलोभन-मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए 25 लाख से अधिक अधिकारियों को तैनात किया है

भारत निर्वाचन आयोग ने 15 मार्च, 2026 को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के लिए आम चुनाव और 6 राज्यों में उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया। चुनाव के विभिन्न चरणों को सुचारू और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए 25 लाख से अधिक चुनाव अधिकारियों को तैनात किया गया है। मतदाता 17.4 करोड़ से अधिक है। अर्थात हर 70 मतदाताओं पर एक चुनाव अधिकारी तैनात है। सीईसी श्री ज्ञानेश कुमार ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए बताया था कि अधिकारियों को पूर्ण निष्पक्षता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है। ताकि चुनाव हिंसा और प्रलोभन से मुक्त हों और प्रत्येक मतदाता बिना किसी भय या पक्षपात के मतदान कर सकें। तैनात कर्मियों में लगभग 15 लाख मतदान कर्मी, 8.5 लाख सुरक्षा कर्मी, 40 हजार मतगणना कर्मी, 49 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक, 21 हजार सेक्टर अधिकारी।

### प्रधानमंत्री ने दिल्ली के पालम में हुई आग की घटना में हुई जानमाल की हानि पर शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पालम में दुखद अग्निकांड पर गहरा शोक व्यक्त किया है और प्रभावित परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है। गहरा दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। श्री मोदी ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50,000 रुपये प्रदान किए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा;

'दिल्ली के पालम में हुई आग की घटना बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है।

## केंद्रीय सूचना और प्रसारण सचिव श्री संजय जाजू ने एडट्रस्ट शिखर सम्मेलन 2026 में मुख्य भाषण दिया

**दायित्वपूर्ण और विश्वसनीय विज्ञापन प्रणाली का आ'ह्व किया**

**सूचना और प्रसारण सचिव ने प्रामाणिकता बनाए रखकर और भ्रामक प्रचारों से बचकर दर्शकों के भरोसे की रक्षा करने का आग्रह किया**

**विज्ञापन में जागरूकता और अनुपालन को प्रोत्साहन देने के लिए एडट्रस्ट शिखर सम्मेलन 2026 में विज्ञापन कानून संकलन का शुभारंभ किया गया**

(जीएनएस)।

केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू ने आज मुंबई में आयोजित एडट्रस्ट शिखर सम्मेलन 2026 में मुख्य भाषण दिया। श्री जाजू ने कहा, 'विज्ञापन का उद्देश्य केवल पहुंच बढ़ाना नहीं, बल्कि विश्वास पैदा करना होना चाहिए।' सूचना और प्रसारण सचिव ने भारत में एक दायित्वपूर्ण, पारदर्शी और विश्वसनीय विज्ञापन प्रणाली की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया, विशेष रूप से तब जब यह क्षेत्र आकार, जटिलता और प्रभाव में लगातार बढ़ रहा है। श्री जाजू ने इस बात पर जोर दिया कि इस क्षेत्र का विकास जारी रहना चाहिए, लेकिन उत्तरदायित्व भी होना चाहिए, विशेषरूप से डिजिटल क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय का दृष्टिकोण विश्वास निर्माण, विकास को समर्थन देने और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।




भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) द्वारा आयोजित एडट्रस्ट शिखर सम्मेलन 2026 के पहले संस्करण में विज्ञापन, मीडिया, प्रौद्योगिकी और सरकारी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने जिम्मेदार विज्ञापन से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए भाग लिया। चचाओं में उभरते रुझानों, कानूनी ढांचों और विज्ञापन प्रथाओं पर नई प्रौद्योगिकियों के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया।

श्री जाजू ने शिखर सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि विज्ञापन केवल एक व्यावसायिक गतिविधि से कहीं अधिक है। यह बाजारों को आकार देता है, ब्रांड बनाता है, उपभोक्ताओं को जानकारी देता है, संस्कृति का संकेत देता है और आकांक्षाओं को प्रभावित करता है। भारत जैसे विशाल और तेजी से डिजिटलीकरण हो रहे देश में, विज्ञापन नवाचार, आर्थिक गतिविधि, सामग्री निर्माण और समावेशन का एक महत्वपूर्ण चालक बन गया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब ब्रांड, स्टार्टअप्स, स्थानीय व्यवसायों और रचनाकारों को व्यापक स्तर पर दर्शकों तक पहुंचने में सक्षम बनाते हैं, जिससे प्रवेश बाधाएं कम होती हैं और भागीदारी बढ़ती है।

साथ ही, श्री जाजू ने डिजिटल विज्ञापन से जुड़े जोखिमों के बारे में भी आगाह किया, जिनमें वित्तीय घोटाले, भ्रामक निवेश प्रचार और फर्जी नौकरी के प्रस्ताव शामिल हैं, जो अक्सर कमजोर वर्गों को निशाना बनाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यावसायिक अभिव्यक्ति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा है, लेकिन भ्रामक और धोखे वाले विज्ञापनों को विनियमित किया जा सकता है और किया जाना चाहिए।

शिखर सम्मेलन में हुई प्रमुख चचाओं में विज्ञापन में एआई की भूमिका, डीपफेक, डार्क पैटर्न और एंटी-इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग के बढ़ते चलन जैसे उभरते मुद्दे शामिल थे। श्री जाजू ने विज्ञापनदाताओं से पहुंच के साथ-साथ विश्वसनीयता पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया और रचनाकारों तथा इन्फ्लुएंसरों से प्रामाणिकता बनाए रखकर और भ्रामक प्रचार से बचकर दर्शकों के विश्वास की रक्षा करने का आग्रह किया।

## नागपुर में 'ऑपरेशनल फ्रेमवर्क फॉर वन हेल्थ : नेशनल विजन एंड स्टेट एक्शन' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला

'वन हेल्थ केवल एक अवधारणा नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा और भविष्य में महामारी की तैयारी की नींव है': प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय सूद

'नेशनल वन हेल्थ मिशन, जूनोटिक खतरों से निपटने और चिकित्सा निवारण उपायों को सुदृढ़ करने में सरकार के दृष्टिकोण का उत्कृष्ट उदाहरण': डीएचआर सचिव एवं डीजी आईसीएमआर डॉ. राजीव बहल

प्रविष्टि तिथिः 18 टअफ 2026 5:20ढट्ु८ ढक्ह ऊ़ँ

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) के अंतर्गत नागपुर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वन हेल्थ (एनआईओएच) ने आईसीएमआर-आरएमआरसी, भुवनेश्वर के सहयोग से 'ऑपरेशनल फ्रेमवर्क फॉर वन हेल्थ : नेशनल



विजन एंड स्टेट एक्शन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय वन हेल्थ मिशन (एनओएचएम) के दृष्टिकोण के अनुरूप कार्ययोजना बनाकर विचारों को वास्तविकता में बदलना था, ताकि राज्य और स्थानीय स्तर पर समन्वित कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय सूद ने मुख्य भाषण दिया। सरकार के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव एवं भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने इस अवसर पर वर्चुअल माध्यम से विशेष संबोधन दिया। पशुपालन आयुक्त, डीएएचडी, नई दिल्ली की डॉ. नवीन बी. महेश्वरप्पा ने भी वर्चुअली सभा को संबोधित किया। उद्घाटन सत्र में उपस्थित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. नितिन पाटिल, कुलपति, एमएएफएसयू नागपुर (मुख्य अतिथि), डॉ. प्रशांत पी. जोशी, कार्यकारी निदेशक, एम्स नागपुर (विशिष्ट अतिथि), डॉ. रंजन दास, निदेशक, एनसीडीसी, नई दिल्ली (विशिष्ट अतिथि), डॉ. दीपक म्हैसकर (आईएएस), अध्यक्ष, एसईआईएए, महाराष्ट्र, डॉ. सतीश राजू, क्षेत्रीय संयुक्त आयुक्त, पशुपालन एवं डेयरी, नागपुर तथा डॉ. प्रज्ञा यादव, प्रभारी निदेशक, एनआईओएच, नागपुर शामिल थे।

## श्री संजय जाजू द्वारा आईआईसीटी की विस्तार योजनाओं और कंटेंट-क्रिएटर प्रयोगशाला योजना की समीक्षा

केंद्रीय सूचना और प्रसारण सचिव श्री संजय जाजू ने आईआईसीटी का दौरा किया, विस्तार योजनाओं और कंटेंट-क्रिएटर प्रयोगशाला योजना की समीक्षा की

सूचना और प्रसारण सचिव ने आईआईसीटी से भारत के रचनात्मक प्रतिभा इकोसिस्टम को पोषित करने में अग्रणी भूमिका निभाने का आग्रह किया

श्री जाजू ने आईआईसीटी से सूचना और प्रसारण क्षेत्र में स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देने के लिए एक जीवंत केंद्र बनने का आ'ान किया

(जीएनएस)।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू ने आज मुंबई के राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम परिसर में भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) का दौरा किया और संस्थान की विकास यात्रा और विस्तार योजनाओं की समीक्षा की।

श्री जाजू की अध्यक्षता में हुई



समीक्षा बैठक में सभी बोर्ड सदस्य और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित थे। श्री जाजू ने संस्थान की नेतृत्व टीम के साथ रणनीतिक रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की। चर्चा का मुख्य केंद्र आईआईसीटी के शैक्षणिक कार्यक्रमों और बुनियादी ढांचे को रचनात्मक और डिजिटल अर्थव्यवस्था की बढ़ती मांगों के अनुरूप विकसित करना था। उन्होंने उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से चल रही पहलों की भी समीक्षा की।

श्री जाजू ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा, 'बुनियादी ढांचा तैयार है और लगभग 150 विद्यार्थियों ने आईआईसीटी में अपने अध्ययन कार्यक्रम शुरू कर दिए हैं। हमारा लक्ष्य जुलाई तक 400 विद्यार्थियों को शामिल करना है, साथ ही 20 स्टार्टअप भौतिक रूप से और कई अन्य वर्चुअल रूप से स्थापित करना है। संस्थान उत्पादन और पोस्ट-प्रोडक्शन कार्य के लिए उच्च गुणवत्ता वाला बुनियादी ढांचा प्रदान करता है।'

# चैत्र नवरात्रि की जड़ें हिंदू पौराणिक कथाओं में गहराई से निहित

**चैत्र नवरात्रि की जड़ें हिंदू पौराणिक कथाओं में गहराई से निहित**

**राम नवमी का विश्वभर के हिंदुओं के लिए आध्यात्मिक महत्व है**

**–महंत विशाल गौड़**

लखनऊ, राम नवमी (संस्कृतः राम नवमी, रोमनकृतः रामनवमी) एक हिंदू त्योहार है जो हिंदू धर्म में पूजनीय देवता राम के जन्म का उत्सव मनाता है, राम जिन्हें विष्णु के सातवें अवतार के रूप में भी जाना जाता है। राम नवमी का विश्वभर के हिंदुओं के लिए आध्यात्मिक महत्व है। राम नवमी की कथा इस बात की याद दिलाती है कि अच्छाई हमेशा बुराई पर विजय प्राप्त करती है, जैसा कि भगवान राम की राक्षस राजा रावण पर विजय से स्पष्ट होता है, और यही कारण है कि राम नवमी मनाई जाती है। राम नवमी चैत्र नवरात्रि का नौवां दिन है– ये नौ दिन देवी शक्ति के नौ रूपों को समर्पित हैं। यह त्योहार भगवान राम से भी जुड़ा हुआ है। इस दौरान प्रार्थना, झांकी, खाने–पीने की दुकानें, मेले आदि का आयोजन होता है।




श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर चौक के महंत विशाल गौड़ ने बताया चैत्र नवरात्र–26 की शुरूआत 19 मार्च गुरुवार से होगी और इसका समापन 27 मार्च शुक्रवार को होगा। नवरात्र के पहले दिन की शुरूआत 19 मार्च को कलश स्थापना से की जाएगी, जिससे मां दुर्गा की पूजा की शुरूआत मानी जाती है

त्यौहार के पीछे का आध्यात्मिक तर्क

महंत ने बताया नवरात्रि मौसमी बदलावों से जुड़ी है, ऐसे क्षण जब प्रकृति में परिवर्तन होता है और पारंपरिक ज्ञान लोगों को अपनी दिनचर्या को सरल बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इन नौ दिनों के दौरान उपवास, प्रार्थना और अनुशासित जीवन जीने से शरीर और मन दोनों में संतुलन बहाल करने में मदद मिलती है। इस वर्ष दुर्गा अष्टमी और राम नवमी एक ही दिन यानी गुरुवार 26 मार्च को पड़ रही हैं। यह एक असाधारण और शक्तिशाली संयोग है। भक्तों को इस दिन दुर्गा अष्टमी पूजा और राम नवमी दोनों का आयोजन करना चाहिए।

चैत्र नवरात्रि की जड़ें हिंदू पौराणिक कथाओं में गहराई से निहित हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान ब्रह्मा द्वारा लगभग अजेयता का वरदान प्राप्त राक्षस राजा महिषासुर ने ब्रह्मांड में आतंक फैलाया था। इसके जवाब में, देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की, जिन्होंने नौ रातों तक महिषासुर से युद्ध किया और अंततः दसवें दिन उसे पराजित किया। यह त्योहार देवी दुर्गा को समर्पित है, जिनकी नौ रूपों की पूजा नौ दिनों तक की जाती है। अंतिम दिन राम नवमी भी है, जो राम का जन्मदिन है। इसी कारण कुछ लोग इसे राम नवरात्रि भी कहते हैं। कई क्षेत्रों में यह त्योहार वसंत ऋतु की फसल कटाई के बाद पड़ता है, और अन्य क्षेत्रों में फसल कटाई के दौरान। चैत्र नवरात्रि 2026 का प्रारंभ 19 मार्च को हो रहा है, जिसमें मां दुर्गा पालकी पर आसीन होकर हाथी पर विदा होती हैं। माता की सवारी का अर्थ और इसके शुभ या अशुभ संकेतों के बारे में जानें। चैत्र नवरात्रि 2026 का प्रारंभ 19 मार्च को हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष्य में हो रहा है। मां दुर्गा पालकी पर आसीन होकर हाथी पर विदा होती हैं।

महंत ने बताया नवरात्रि साल में चार बार आती है, जो चैत्र, आषाढ़, आश्विन (शारदीय) और माघ महीनों में मनाई जाती है; इनमें से चैत्र और शारदीय नवरात्रि सबसे प्रमुख हैं, जबकि आषाढ़ और माघ की नवरात्रि गुप्त नवरात्रि कहलाती हैं और विशेष साधना के लिए महत्वपूर्ण होती हैं।

# अभिषेक सर्राफ ने सीआईआई उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला एवं प्रणय एस गर्ग बने उपाध्यक्ष, सीआईआई उत्तर प्रदेश






लखनऊ

भारतीय उद्योग परिसंघ (CII), उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2026–27 के लिए श्री अभिषेक सर्राफ, प्रबंध निदेशक, अवध रेल इंफ्रा लिमिटेड को सीआईआई उत्तर प्रदेश का नया अध्यक्ष तथा श्री प्रणय एस गर्ग, प्रबंध निदेशक, एडवांस वाल्व्स प्रा. लि. को उपाध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की है।

श्री अभिषेक सर्राफ , अवध रेल इंफ्रा लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं, जो भारत के रेल अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्र में एक स्थापित नाम है। एक द्वितीय पीढ़ी के उद्यमी के रूप में, उनके पास दो दशकों से अधिक का अनुभव है। उनके नेतृत्व में कंपनी ने भारतीय रेल, मेट्रो प्रणालियों और उभरते हाई–स्पीड रेल नेटवर्क के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा एवं इंजीनियरिंग घटकों के निर्माण में उल्लेखनीय विस्तार किया है। उनके गतिशील नेतृत्व में कंपनी देशभर में कई विनिर्माण इकाइयों का संचालन कर रही है और मेनलाइन, मेट्रो, सेमी–हाई–स्पीड तथा हाई–स्पीड रेल प्रणालियों के लिए उत्पाद आपूर्ति कर रही है। उन्हें अंतरराष्ट्रीय व्यापार, प्रौद्योगिकी साझेदारी और औद्योगिक विनिर्माण का व्यापक अनुभव है, जो भारत के रेलवे इकोसिस्टम को मजबूत बनाने में योगदान दे रहा है।

श्री प्रणय शंकर गर्ग , एडवांस वाल्व्स के प्रबंध निदेशक हैं और ऊर्जा क्षेत्र में कंपनी को एक अग्रणी समाधान प्रदाता के रूप में स्थापित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके नेतृत्व में कंपनी ने वैश्विक स्तर पर प्रमुख ऑयल एवं गैस कंपनियों के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है और अग्रणी एढउ कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारियाँ विकसित की हैं। उन्होंने भारत के वाल्व विनिर्माण क्षेत्र को सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु से प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री धारक हैं तथा श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से अर्थशास्त्र में स्नातक हैं। उनके पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव और बहुसांस्कृतिक व्यावसायिक समझ का व्यापक अनुभव है।यह सत्र उद्योग और सरकार के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश को भारत की अर्थव्यवस्था के प्रमुख विकास इंजन के रूप में सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों ने राज्य के आर्थिक परिवर्तन के लिए आवश्यक प्रमुख क्षेत्रों और नीतिगत प्राथमिकताओं पर अपने विचार साझा किए।

सीआईआई उत्तर प्रदेश ने कनाडा के उच्चायुक्त महामहिम क्रिस्टोफर कूटर के साथ संवाद सत्र आयोजित किया

भारतीय उद्योग परिसंघ (उक्क), उत्तर प्रदेश ने कनाडा के भारत में उच्चायुक्त महामहिम क्रिस्टोफर कूटर के साथ एक विशेष इंटरैक्शन सत्र आयोजित किया, जिसमें उद्योग जगत के प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया। इस संवाद का उद्देश्य भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने पर सार्थक चर्चा करना था। बैठक का नेतृत्व श्री अभिषेक सर्राफ, अध्यक्ष, सीआईआई उत्तर प्रदेश एवं प्रबंध निदेशक, अवध रेल इंफ्रा लिमिटेड तथा श्री प्रणय एस गर्ग, उपाध्यक्ष, सीआईआई उत्तर प्रदेश एवं प्रबंध निदेशक, एडवांस वाल्व्स ने किया।

इस इंटरैक्शन ने भारत और कनाडा के बीच सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया, विशेष रूप से स्वच्छ ऊर्जा, एग्री–टेक, शिक्षा, अवसंरचना और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में। चर्चा के दौरान व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने, प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत करने तथा कौशल विकास और नवाचार के नए आयामों पर भी विचार–विमर्श किया गया।

सीआईआई के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश के बदलते औद्योगिक परिदृश्य पर अपने विचार साझा किए और राज्य में कनाडाई निवेश आकर्षित करने के साथ–साथ कनाडा में राज्य के लिए उपलब्ध अवसरों का भी अन्वेषण किया। चर्चा में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, नीतिगत सहयोग और उद्योग संगठनों की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषय भी शामिल रहे।

यह सत्र भारत–कनाडा आर्थिक सहयोग को और सशक्त बनाने तथा पारस्परिक विकास के लिए नए सहयोगी अवसरों की खोज के साझा संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

# फीनिक्स पलासियो में ग्रैंड टेबल टेनिस टूनार्मेंट का सफल समापन

**– हर उम्र के खिलाड़ियों ने दिखाया दम, बच्चों से लेकर सीनियर तक में दिखा जोश**

**– युवा प्रतिभाओं से लेकर अनुभवी खिलाड़ियों तक, लखनऊ में टेबल टेनिस का बढ़ता जुनून दिखा**

लखनऊ, 18 मार्च, 2026: शहर के खेल प्रेमियों के लिए यह सप्ताह खास रहा, जब फीनिक्स पलासियो में आयोजित दो दिवसीय टेबल टेनिस टूनार्मेंट ने उत्साह, ऊर्जा और प्रतिस्पर्धा का शानदार माहौल बना दिया। लखनऊ डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपनी तेजी, सटीकता और खेल भावना से दर्शकों का दिल जीत लिया।

आयोजन की सबसे खास बात इसकी सटीक और पेशेवर तैयारी रही, जहां ऑन–ग्राउंड व्यवस्थाओं से लेकर दर्शकों के अनुभव और स्वास्थ्य व सुरक्षा के सभी मानकों का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे पूरा टूनार्मेंट सहज और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। साथ ही, युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए विशेष क्लीनिक, टैलेंट सर्च सेशन और प्रदर्शन मंच तैयार किए गए, जिससे नए खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला और खेल के प्रति उनकी रुचि और मजबूत हुई। बेहतर प्रैक्टिस जोन, लाइव डेमो और व्यापक मीडिया कवरेज ने न केवल खिलाड़ियों और प्रायोजकों को अधिक पहचान दिलाई, बल्कि लखनऊ में टेबल टेनिस के माहौल को भी मजबूती दी। इसके साथ ही, विजेताओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को फीनिक्स गिफ्ट कार्ड देकर सम्मानित किया गया, जिससे उन्हें आगे भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिली।

पुरुष सिंगल्स में शौर्य ने शानदार खेल दिखाते हुए खिताब अपने नाम किया, जबकि आकाश द्विवेदी उपविजेता रहे। महिला सिंगल्स में स्वास्ति चंद्रा विजेता रहीं और साक्षी तिवारी दूसरे स्थान पर रहीं। पुरुष डबल्स मुकाबलों में लक्ष्य और शौर्य की जोड़ी ने पुरुष वर्ग में जीत हासिल की, वहीं आकाश द्विवेदी और दिव्यांश गुप्ता उपविजेता रहे। महिला डबल्स में अमाया और वार्तिका सिंह की जोड़ी ने बाजी मारी, जबकि साक्षी और स्वास्ति चंद्रा दूसरे स्थान पर रहीं।

सीनियर वर्ग में भी खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया, जहां सचिन कुमार (40–49), बृजेन्द्र सिंह (50–59) और डॉ. डी.के. पुरुषोत्तम (60+) ने अपने–अपने वर्ग में बेहतरीन खेल दिखाया।

विजेताओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को 11,000 रुपये तक के फीनिक्स गिफ्ट कार्ड देकर सम्मानित किया गया, जिससे खिलाड़ियों में आगे बढ़ने का उत्साह और बढ़ा।

फीनिक्स पलासियो प्रबंधन की ओर से कहा गया, 'यह टूनार्मेंट खेलों और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हमें गर्व है कि हम एक ओर उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा का मंच तैयार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय प्रतिभाओं और सामुदायिक सहभागिता को भी मजबूत कर रहे हैं।'

फीनिक्स मिल्स के रिटेल डायरेक्टर (नॉर्थ) श्री संजीव सरीन ने कहा, 'यह टूनार्मेंट खेलों और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के हमारे संकल्प का प्रतीक है। शहरभर से खिलाड़ियों की इतनी उत्साहपूर्ण भागीदारी और बेहतरीन प्रतिभा को देखना हमारे लिए बेहद खुशी की बात है। इस आयोजन को सफल बनाने में उत्तर प्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन और लखनऊ डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन के अमूल्य सहयोग के लिए मैं उनका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही, उत्तर प्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन के ऑनरेरी जनरल सेक्रेटरी श्री अरुण कुमार बनर्जी को उनके निरंतर प्रोत्साहन और मार्गदर्शन के लिए विशेष धन्यवाद।'दो दिनों तक चले इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि लखनऊ में खेलों के प्रति न केवल जुनून है, बल्कि प्रतिभा की भी कोई कमी नहीं है। यह टूनार्मेंट खिलाड़ियों और दर्शकों, सभी के लिए एक यादगार अनुभव बनकर उभरा।

# डीएम श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

बैठक में जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग व मुख्य चिकित्साधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक/बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद प्रयागराज में जितने भी स्कूल, मैरेज हॉल एवं हॉस्पिटल संचालित हो रहे हैं, यदि रोड पर अवैध रूप से वाहन खड़े मिलेंतो संस्थान व वाहन स्वामी के विरूद्ध नोटिस निर्गत करते हुए सख्त कार्यवाही की जाय।



यातायात निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि शहरी क्षेत्र में अत्यधिक भीड़–भाड़ एवं जाम वाले स्थलों पर यथा चैक, घण्टा घर, सिविल लाइन्स, लल्ला चुंगी जैसे स्थानों पर टैम्पो टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों एवं स्थानीय वेंडर को शामिल करते हुए एक बैठक कर ली जाय जिससे कि जाम से निजात दिलायी जा सके।

नगर क्षेत्र में वृहद जाम के दृष्टिगत शहर को जाम से मुक्त किये जानें हेतु स्थायी होर्डिग्स एरिया हेतु भूमि के चिन्हांकन के लिए अपर जिलाधिकारी (नगर), प्रयागराज की अध्यक्षता में एआरएम रोडवेज व एडीसीपी (टैफिक), पुलिस विभाग व अपर नगर आयुक्त, नगर–निगम एवं परिवहन विभाग की संयुक्त गठित टीम का चिन्हांकन कर अपेक्षित कार्यवाही करेगी।

निर्देशित किया गया कि अपर जिलाधिकारी (नगर) प्रयागराज की अध्यक्षता में डीसीपी (यातायात), एआरएम रोडवेज व परिवहन विभाग एवं टैम्पो टैक्सी यूनियन की संयुक्त टीम शहरी क्षेत्र में नो ई–रिक्शा जोन/नो व्हिकल जोन तथा पैडिस्ट्रियन जोन चिन्हित कर कार्यवाही करेंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी प्रकार के वाहनों की पार्किंग/ठेला/वेन्डर्स मुख्य चैराहों के समीप स्थित न हों। समिति द्वारा चिन्हित चैराहों पर नगर–निगम, पीडीए, लोक निर्माण विभाग, एनएच, उन जगहों को चिन्हित कर उन पर पेंट करने की कार्यवाही करेंगे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि आकस्मिक दुर्घटनाओं के दृष्टिगत एम्बुलेंस 108 के सुचारू संचालन हेतु रूट चार्ट सहित एम्बुलेंस 108 की सूची पुलिस विभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। वृहद दुर्घटनाओं के दृष्टिगत एम्बुलेंस शहर से जानें वाले विभिन्न राष्ट्रीय मार्गों के नजदीक ट्रामा सेंटरों व प्राइवेट तथा सरकारी हास्पिटल क्रियाशील रखा जाय। जिससे कि कम समय में समुचित इलाज घायलों/आहतों को दिया जा सके।

# शपथ ग्रहण : बार, बेंच, संगठन व सरकार के समन्वय से बदलेगी कोर्ट परिसर की तस्वीर– संजीव गौड़ राज्य मंत्री

(जीएनएस)।

दुद्धी (सोनभद्र)। दुद्धी बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार संजीव गौड़ ने संबोधन में कहा कि कोर्ट परिसर में दुद्धी बार एसोसिएशन द्वारा प्रस्तावित मांग पर अधिवक्ताओं एवं वादकारियों के लिए मूलभूत सुविधाओं के लिए हर संभव सहयोग द्वारा ओबरा के तर्ज पर अधिवक्ताओं के सुसज्जित चेंबर शुद्ध जल एवं अत्याधुनिक भवन के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा जिससे गरीबों को न्याय आसानी सें मिल सके। भाजपा जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता ने कहा कि मैं दुद्धी बार एसोसिएशन का सदस्य हूँ और यहां से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला है दुद्धी बार एसोसिएशन को मैं आदर्श मानता हूं और कोर्ट परिसर के विकास के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विनोद कुमार पाण्डेय सदस्य बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। उन्होंने मंच पर उठाए गए जनहित संबंधी मांग को न्यायोचित और वादकारियों के हित में बताते हुए सरकार के प्रतिनिधियों से पूर्ण करने की मांग की साथ ही नवनिर्वाचित कमेटी को शुभकामनाएं ज्ञापित किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुलभूषण पांडे एडवोकेट का शपथ ग्रहण बार काउंसिल सदस्य उत्तर प्रदेश विनोद कुमार पांडे द्वारा कराया गया। जिनका माल्यार्पण निवर्तमान अध्यक्ष प्रेमचंद यादव द्वारा किया गया। कुलभूषण पांडे एडवोकेट ने मंचसीन सरकार के मंत्री व जिला अध्यक्ष से हाथीनाला थाना अंतर्गत वादकारियों का जनपद सोनभद्र 80 किलोमीटर मुकदमा को दुद्धी कोर्ट स्थानांतरण करने, अपीलीय कोर्ट, एडीजे आदि भवन का निर्माण कराने, कोर्ट परिसर का अत्याधुनिक कार्यकल्प करने आदि कई मांगों को लिखित रूप में मुख्य अतिथि व जिला अध्यक्ष को ज्ञापन सौपा। सचिव दिनेश कुमार गुप्ता का सिविल जूनियर डिवीजन जज द्वारा शपथ ग्रहण कराया गया शेष पदाधिकारीयों का एल्डर कमेटी अध्यक्ष प्रेमचंद जायसवाल व निर्वाचन अधिकारी आदि द्वारा गवर्निंग काउंसिल सदस्य 15 वर्ष से ऊपर विद्यापति विश्वकर्मा, वृज बिहारी चौधरी, बबीता गुप्ता, मुरलीधर, अनिल मौर्य, दिलीप पांडे, गवर्निंग काउंसिल 02 वर्ष से ऊपर जसपाल सिंह, प्रदीप गुप्ता, दीपक गुप्ता, अखिलेश कुमार तिवारी, कृष्णानंद तिवारी, कृष्ण कुमार पासवान आदि का शपथ ग्रहण कराया गया। इस मौके पर अनुसूचित जाति जनजाति आयोग उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, पूर्व विधायक दुद्धी हरि राम चेरो, अध्यक्ष नगर पंचायत दुद्धी कमलेश मोहन, ब्लाक प्रमुख म्योरपुर मान सिंह गोड, पूर्व उपाध्यय अनुसूचित जाति जनजाति आयोग राम नरेश पासवान, सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष–अशोक श्रीवास्तव। अध्यक्ष दुद्धी एसोसिएशन – प्रेम चन्द जायसवाल पूर्व अध्यक्ष सोभद्र बार एसोसिएशन – विनोद चौबे, अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन

## प्रगति विजेता, शिवांकी उपविजेता; महिला दिवस पर लेडीज ओपन लॉन टेनिस टूनार्मेंट सम्पन्न

Kangaroo Kids International Preschool Prayagraj की टेनिस अकादमी में महिला दिवस के उपलक्ष्य में 14 से 16 मार्च तक लेडीज ओपन लॉन टेनिस टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ उद्घाटन समारोह के साथ हुआ, जिसके बाद खेले गए क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में प्रगति ने जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया, जबकि शिवांकी उपविजेता रहीं। मेहेरमाला व साक्षी सेमीफाइनलिस्ट तथा स्वाति, आरती, सोनी और स्नेहा क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं।

समापन समारोह में विजेता व प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। पूरे आयोजन में महिला खिलाड़ियों का उत्साह और खेल भावना देखने को मिली।

# मेला समिति गठन को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

**पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग**

(जीएनएस)।

शक्तिनगर (सोनभद्र)। ग्राम पंचायत चिल्काड़ाड स्थित माँ ज्वाला मुखी मंदिर पर लगने वाले पारंपरिक मेले के समिति गठन को लेकर स्थानीय लोगों में असंतोष देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में गुप्तेखर कुमार सोनी ने उपजिलाधिकारी दुद्धी को एक प्रार्थना पत्र सौंपकर मेला समिति के पुनर्गठन की मांग की है।

प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि माँ ज्वालामुखी मंदिर पर लगने वाला मेला कई वर्षों से आयोजित होता चला आ रहा है। पूर्व में मेले की सरकारी बोली होती थी और इसकी अध्यक्षता ग्राम पंचायत चिल्काड़ाड के प्रधान करते थे। साथ ही मेले से प्राप्त धनराशि ग्राम पंचायत के निधि खाते में जमा होती थी तथा संचालन पंचायत की प्रशासनिक समिति द्वारा किया जाता था।

आरोप है कि पिछले 2–3 वर्षों से मेला समिति का गठन बदल दिया गया है और इसे ग्राम पंचायत चिल्काड़ाड से अलग कर अन्य ग्राम पंचायत के लोगों को सौंप दिया गया है, जो स्थानीय लोगों के अनुसार न्यायसंगत नहीं है।

प्रार्थी ने उपजिलाधिकारी से मांग की है कि वर्तमान मेला समिति गठन को निरस्त करते हुए पुनः ग्राम पंचायत चिल्काड़ाड को ही मेला संचालन की जिम्मेदारी सौंपी जाए, ताकि स्थानीय समस्याओं का समाधान हो सके और पारंपरिक व्यवस्था बहाल की जा सके।

इस संबंध में प्रशासन से शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई गई है।

# अनपरा के इंजीनियर चंद्र प्रकाश को महाप्रबंधक पद पर प्रोन्नति मिली 'ब' तापीय परियोजना की कमान, विद्युत्कर्मियों एवं संगठन पदाधिकारियों ने जताया हर्ष

(जीएनएस)।

अनपरा (सोनभद्र)। अनपरा तापीय परियोजना में कार्यरत इं. चंद्र प्रकाश को उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा महाप्रबंधक के पद पर प्रोन्नत किए जाने पर परियोजना परिसर में हर्ष का माहौल है। इस उपलब्धि पर तमाम विद्युत कर्मियों एवं विभिन्न संगठन के पदाधिकारियों ने उनसे शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया और भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुलाकात के दौरान विद्युत कर्मियों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने इं.चंद्र प्रकाश के अब तक के कार्यकाल और उनके योगदान की चर्चा की। परियोजना मे कार्यरत इं अभिषेक सिंह ने पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई दी तथा कहा कि श्री चंद्र प्रकाश सर की कार्यशैली, तकनीकी विशेषज्ञता और निगम के प्रति उनकी निष्ठा सभी के लिए प्रेरणादायक है। कर्मियों ने विश्वास जताया कि महाप्रबंधक के रूप में उनका अनुभव निगम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। उपस्थित विद्युत कमीर्यों ने उनके सफल कार्यकाल और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इं असुरजीत शर्मा तथा प्रवीण कश्यप ने पुष्प गुच्छ तथा अंगवस्त्र भेंट कर शुभकामनायें देते हुए कहा कि उनकी यह पदोन्नति न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम का परिणाम है, बल्कि इससे पूरे अभियंता सवर्ग तथा विद्युत कर्मियों का मान बढ़ा है श्री चंद्र प्रकाश के मुख्य अभियंता बनते ही पूरे परियोजना कर्मियों मे खुशी की लहर दौड़ गयी अनपरा परियोजना मे अत्यधिक लोकप्रिय अभियंता हैँ इस शुभ अवसर पर पुरे परियोजना से बधाई का ताँता लगा रहा सभी ने इस अवसर पर इं चंद्र प्रकाश को बधाई दी इस अवसर पर मुख्य रूप से इं एस पी यादव, उत्पल शंकर, अच्युतेश कुमार, विजय कुमार दिनकर, कुमार गौरव, आलोक त्रिपाठी, मनोज प्रसाद, राम ज्ञान सिंह, पवन तिवारी, उमेश पाण्डेय, रामदरश, रवि कुरील, अरुण कुमार,ओम प्रकाश भारती, वेद प्रकाश विश्वकर्मा, मो शाहिद, केशव प्रसाद, संदीप सिंह, राजेश कुमार मौर्य, अनूप चंद्रा, दिनेश शंकर द्विवेदी, अभिषेक सिंह, रवित कुमार,वैशाली गौतम, भैया विवेक सिंह, विकाश रंजन, अखिलेश सिंह, अविनाश सिंह, सुजीत सोनी, प्रशांत उपाध्याय, विशाल शाही समेत काफी संख्या मे परियोजना कर्मी बधाई देने पहुंचे, विद्युत कर्मी नेता विष्णु देव झा ने इं चंद्र प्रकाश को मुख्य अभियंता बनने पर ढेर सारी शुभकामनायें दीं तथा स्मृति चिन्ह देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की आज लगभग सैकड़ों लोगों द्वारा बधाई दी गयी।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

# सम्पादकीय

## आईआरजीसी ने इजराइली पीएम को दी धमकी

नेतन्याहू है तो ढूंढ़कर मारेंगे ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने कहा है कि अगर इजरायली प्राधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू जिदा है तो वो उनका पीछा करके उन्हें मार डालेंगे। आईआरजीसी ने नेतन्याहू को बच्चों का हत्यारा बताया है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना ने एक स्पेशल पोस्ट में इसकी जानकारी दी है। वहीं दक्षिण अफ्रीका में ईरानी दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है— इससे बिल्वुल भी फर्क नहीं पड़ता कि नेतन्याहू जिदा है या मर चुके हैं। एक मिनाबी लड़की का बाल का एक भी रेशा, उनके पूरे वजूद से कहीं ज्यादा कीमती है। इस मामले में सवाल यह भी उठता है कि अगर नेतन्याहू जिदा है तो ऐसा आईआरजीसी ने क्यों कहा है और यह दावा या अफवाह कहां से शुरू हुई है कि बेंजामिन नेतन्याहू जिदा है या नहीं। हालांकि कई खबरों के मुताबिक, इजरायली प्राधानमंत्री कार्यालय ने नेतन्याहू की बात को फेक न्यूज बताया है। वहीं रविवार शाम को नेतन्याहू ने एक्स पर अपना एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें वो कॉफी पीते हुए वैपे के बाहर वुछ महिलाओं से बात करते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान वो एक-एक कर दोनों हाथों को वैमरे के सामने ला रहे हैं और अपनी पांचों उंगलियां गिना रहे हैं। इजरायल और ईरान के बीच जंग की शुरूआत में ही ईरानी अधिकारियों ने बताया था कि दक्षिण ईरान के शहर मिनाब में लड़कियों के एक स्वूल पर हमला हुआ, जिसमें 180 से ज्यादा लोग मारे गए थे। इनमें 160 के लगभग छोटी-छोटी बच्चियां और उनके टीचर भी मारे गए थे। बता दें कि ईरान के मिनाब में प्राथमिक स्वूल पर भीषण एयरस्ट्राइक को लेकर अमेरिका के भीतर भी विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। अमेरिका के 40 से अधिक सीनेटरों ने पेंटागन को पत्र लिखकर इस हमले का कड़ा विरोध जताया है। सांसदों ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से इस सैन्य कार्रवाई की जांच, जवाबदेही और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन पर स्पष्टीकरण मांगा है। सीनेटरों ने अपने पत्र में विशेष रूप से चिता जताई है कि मरने वालों में ज्यादातर 7 से 13 साल की मासूम बच्चियां थीं। घटना 28 फरवरी की है, जब अमेरिका ने बहरीन सैन्य बेस से एक टोमाहॉक मिसाइल से मिनाब स्थित लड़कियों के एक स्वूल को निशाना बनाया। ईरान में इस हमले से लोगों में काफी ज्यादा आव्रोश देखा गया और इन लड़कियों के जनाजे में लाखों ईरानी जनता शामिल हुई। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा जियोनिस्ट अपराधी प्राधानमंत्री का अज्ञात और उनकी मौत या कब्जे वाले इलाकों से अपने परिवार के साथ उनके भाग निकलने की पूरी संभावना है। यह एक संकट और जियोनिस्ट की डगमगाती स्थिति को उजागर करती है। आईआरजीसी ने आगे कहा, अगर बच्चों की हत्या करने वाला अपराधी जीवित है तो हम पूरी ताकत से पीछा करके उन्हें मार डालेंगे। यह धमकी इजरायली प्राधानमंत्री कार्यालय के उस खंडन के बाद आई है जिसमें नेतन्याहू के मारे जाने की खबरों को गलत बताया गया है। साथ ही उसने यह दावा किया था कि इजरायल ने उनके तथ्यों और क्षेत्र में तीन अमेरिकी बेस को 52वीं बार किए गए हमले में नष्ट कर दिया गया है। 13 मार्च को नेतन्याहू के एक्स अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया गया था जिसमें वो ईरान के हमलों के बारे में जानकारी दे रहे थे। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इसे एआई जेनरटिड बताया था और दावा किया था कि नेतन्याहू की मौत हो चुकी है।

# कृषि विकास और किसान कल्याण पर लोकसभा में बोले केंद्रीय कृषि मंत्री- अधूरी सिंचाई योजनाएं और नदी जोड़ो प्रोजेक्ट हमारी सरकार में पटरी पर

**प्राकृतिक खेती से धरती माँ की सेहत, किसान की आमदनी - दोनों सुरक्षित- श्री शिवराज सिंह चौहान**

**राज्यवार कृषि रोडमैप और टरढ- सिंचाई-इन्फ्रा से विकसित भारत की नींव- केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह**

(जीएनएस)। आज लोकसभा में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय पर हुई विस्तृत चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि श्री नरेंद्र मोदी की सरकार सिर्फ शासन नहीं चलाती, समाज बदलती है, जीवन बदलती है और राष्ट्र का भविष्य गढ़ती है। किसानों के हितों, कृषि सुधारों, आधुनिक तकनीक, सिंचाई, बीमा, प्राकृतिक खेती और डिजिटल एग्रीकल्चर की चर्चा करते हुए उन्होंने विपक्ष के प्रश्नों के जवाब दिए।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के नाम पर सिर्फ सियासी नारे और अर्द्धसत्यों से काम नहीं चलेगा। खेत-खलिहान की हकीकत पर बात करनी होगी। उन्होंने दो टूक कहा कि सवाल ये होना चाहिए कि किसान के लिए जमीन पर क्या काम हुआ, कितना पैसा सीधे उसके खाते में पहुँचा और कौन सी व्यवस्था बदली।

**टरढ, सिंचाई और नदी जोड़ोः अधूरी विरासत को आगे बढ़ाने का दावा**

श्री चौहान ने याद दिलाया कि पिछली सरकार के समय 140 सिंचाई परियोजनाओं में से 99 परियोजनाएं दशकों से लटकी पड़ी थीं, जिन पर कोई काम आगे नहीं बढ़ रहा था। मोदी सरकार ने इन्हें प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत प्राथमिकता दी और लगभग 27 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचित क्षेत्र सुनिश्चित करने की दिशा में तेजी से काम बढ़ाया।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का 'नदी जोड़ो' (रिवर लिंकिंग) ड्रीम प्रोजेक्ट भी वास्तव में मोदी सरकार के दौरान आगे बढ़ा, जहाँ कैन-बेतवा जैसी परियोजनाएं मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश को जोड़ते हुए बाढ़-सूखे की समस्या का दीर्घकालिक समाधान देने के लिए शुरू की गईं।

**गुणवत्तापूर्ण बीज- कीटनाशकः किसान के साथ छल नहीं होने देंगे**

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि सिर्फ ₹500 या ₹1000 की घोषणा से किसानों का भला नहीं होगा, असली सवाल है कि बीज, खाद और कीटनाशक की गुणवत्ता क्या है। उन्होंने घोषणा की कि सरकार नया ढी२३ूीं अू३ और रीीं अू३ लाने जा रही है जिसमें किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, मानक खाद, और सुरक्षित व प्रभावी कीटनाशक सुनिश्चित किए जाएंगे। श्री चौहान ने बताया कि सरकार ने स्पष्ट प्रोटोकॉल तय किया है कि कोई भी बायो-स्टिम्यूलेंट तभी बाजार में बिकेगा जब कम से कम कउअफ के संस्थानों/कृषि विश्वविद्यालयों में तीन स्वतंत्र परीक्षण यह प्रमाणित कर दे कि उसका लाभ है। उन्होंने कहा कि 'लगभग 8000 उत्पादों में से केवल लगभग 500 ही मानकों पर खरे उतरे हैं, बाकी को अनुमति नहीं दी गई,' यह संदेश देते हुए कि मोदी सरकार किसानों के साथ धोखा करने वालों पर नकेल कसने के लिए प्रतिबद्ध है।

**डिजिटल क्रांतिः 9 करोड़ ऋ्रें१ कऊ और 'भारत विस्तार' अक प्लेटफॉर्म**

श्री चौहान ने बताया कि ‌ॠ्रें' ॲ१ू४'३४१ी द्र२२‌ङ्कल्ल के तहत अब तक लगभग 9 करोड़ ऋ्रें१ कऊ तैयार की जा चुकी हैं। किसान के पास किसान-आईडी होने पर बैंक में लोन स्वीकृत होने में 'एक मिनट' से ज्यादा नहीं लगना चाहिए क्योंकि उसकी पूरी प्रोफाइल, जमीन, फसल और लेनदेन का डेटा डिजिटल रूप से उपलब्ध होगा। पहले किसान को बैंक के चक्कर काटने पड़ते थे, फाइलों-कागजों में पैसा और समय दोनों खर्च होते थे; अब यह बाधा डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटाई जा रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे और एग्री-स्टैक डेटा के उपयोग से ढट-ङ्करंल्ल से लेकर टरढ खरीद तक हर योजना में किसानों को लक्षित और पारदर्शी लाभ मिलेगा।

वित्त मंत्री की घोषणा का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि सरकार ने 'भारत विस्तार'नामक अक प्लेटफॉर्म तैयार कर लिया हैः किसान खेत से फसल की तस्वीर भेजकर या फोन करके पूछ सकेंगे कि 'फसल में क्या

# सौर सम्मान अवॉड्र्स ने रूफटॉप सोलर अपनाने को गति देने वाले इंस्टॉलर्स और सोलर एंटरप्रेन्योर्स का सम्मान किया

लखनऊ, 18 मार्च 2026: इकोजेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने सौर सम्मान अवॉर्ड्स 2026 का आयोजन किया, जिसमें उन इंस्टॉलर्स, ईपीसी पार्टनर्स और सोलर एंटरप्रेन्योर्स को सम्मानित किया गया, जो पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के तहत देशभर में रूफटॉप सोलर अपनाने को तेजी दे रहे हैं।

इन अवॉर्ड्स का उद्देश्य जमीनी स्तर पर काम कर रहे उन प्रोफेशनल्स और ऑर्गेनाइजेशंस को सम्मानित करना है, जो घरों और छोटे व्यवसायों तक सोलर एक्सेस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विश्वसनीय रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन के माध्यम से ये पार्टनर्स उपभोक्ताओं को बिजली खर्च कम करने में मदद कर रहे हैं और साथ ही भारत के क्लीन और सस्टेनेबल एनर्जी ट्रांज़िशन को मजबूत बना रहे हैं।

इस सेरेमनी में इंस्टॉलर्स, सोलर एंटरप्रेन्योर्स, इकोसिस्टम पार्टनर्स और इंडस्ट्री स्टेकहोल्डर्स शामिल हुए, जिन्होंने रूफटॉप सोलर अपनाने में नेतृत्व दिखाने वाले व्यक्तियों और ऑर्गेनाइजेशंस का सम्मान किया।

इस कार्यक्रम में रिन्यूएबल एनर्जी इकोसिस्टम के कई प्रतिष्ठित लीडर्स उपस्थित रहे, जिनमें मीर मोहम्मद अली, डायरेक्टर, एमएनआरई; इंदरजीत सिंह, डायरेक्टर, यूपीनेडा; पंकज सिंह, सेक्रेटरी, यूपीनेडा; राजीव ग्यानी, पूर्व सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर, क्रेडा; प्रवीन बी कुमार, रीजनल रिप्रेजेंटेटिव (साउथ एशिया), गोग्ला; वेदांत मानोरे, सीओओ, क्लीन; डॉ.

रत्नेश तिवारी, फाउंडर एवं डायरेक्टर, कोशिश सस्टेनेबल सॉल्यूशंस; अजीत बहादुर सिंह, फाउंडर, सोलर इज माय पैशन; अनीता यादव, एसोसिएट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, ग्रामीण फाउंडेशन; श्याम धर दुबे, स्टेट कोऑर्डिनेटर, आरएमआई प्रोग्राम, यूपीनेडा; नीरज बाजपेयी, प्रेसिडेंट, रेडा; मुकेश त्यागी, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर, मध्यांचल डिस्कॉम और मैल्कम नोरोनहा, जीएम, सोलर इज माय पैशन शामिल थे।

कार्यक्रम के दौरान विवेक पांडे, को-फाउंडर एवं सीटीओ, इकोजेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने कहाः "जब हम भारत की सोलर क्रांति की बात करते हैं, तो अक्सर हमारा ध्यान पॉलिसीज या टेक्नोलॉजी पर जाता है। लेकिन इस बदलाव के असली हीरो वे इंस्टॉलर्स और सोलर एंटरप्रेन्योर्स हैं, जो जमीन पर चुपचाप काम कर रहे हैं, अक्सर बिना किसी पहचान के। यही लोग छतों पर चढ़कर इंस्टॉलेशन करते हैं, ग्राहकों को जागरूक करते हैं और क्लीन एनर्जी को घर-घर तक पहुंचाते हैं। सौर सम्मान अवॉर्ड्स के माध्यम से इकोजेन इन अनसुने चैंपियंस को स्पॉटलाइट में लाना चाहता है।"

इन अवॉर्ड्स का मूल्यांकन एक इंडिपेंडेंट ज्यूरी पैनल द्वारा किया गया, जिसमें श्री उपकारी नाथ, सोलर एनर्जी एडवाइजर - आरएमआई इंडिया प्रोग्राम, यूपीनेडा, श्री राजीव ग्यानी - पूर्व अधीक्षण अभियंता, क्रेडा और डॉ. रत्नेश तिवारी, फाउंडर एवं डायरेक्टर - कोशिश सस्टेनेबल सॉल्यूशंस शामिल थे।

अवार्ड विनर्स

रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन, सेफ्टी स्टैंडर्ड्स और स्किल डेवलपमेंट में उत्कृष्टता को पहचान देने के लिए विभिन्न कैटेगरीज में अवॉर्ड्स प्रदान किए गएः

बेस्ट इंस्टॉलेशन अवॉर्ड (3-5 किलोवाट)

सचिन श्रीवास्तव, अकुपाड मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड

ललित मोहन रावत, सोलरमेट रिन्यूएबल सॉल्यूशंस

विपिन कश्यप, थिंकएक्ट एनर्जी सॉल्यूशंस

इंस्टॉलर सेफ्टी एक्सीलेंस अवॉर्ड

शुभम गुप्ता

द्रोणाचार्य अवॉर्ड - स्किलिंग द 'ूमन रिसोर्स

बृजेश कुमार यादव, इको वोल्ट सोलर सॉल्यूशंस

बढ़ती बिजली मांग, कंज्यूमर अवेयरनेस में वृद्धि और सपोर्टिव गवर्नमेंट इनिशिएटिव्स के चलते आने वाले वर्षों में रूफटॉप सोलर अपनाने की गति और तेज होने की उम्मीद है। पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना जैसी पहलें देशभर में लाखों घरों तक सोलर एक्सेस बढ़ाने का लक्ष्य रखती हैं, जिससे कंज्यूमर्स क्लीन एनर्जी उत्पन्न कर सकें और बिजली खर्च कम कर सकें।

सौर सम्मान अवॉर्ड्स जैसे इनिशिएटिव्स के माध्यम से इकोजेन उन प्रोफेशनल्स और एंटरप्रेन्योर्स का सम्मान करता है, जो इस बदलाव को आगे बढ़ा रहे हैं और भारत के लिए एक मजबूत और सस्टेनेबल सोलर इकोसिस्टम बनाने में योगदान दे रहे हैं।

# पुरुषों में बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ ने लॉन्च किया 'मेंस हेल्थ क्लिनिक'

लखनऊ, मार्च 18, 2026: पुरुषों में बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं ध्यान में रखते हुए, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने अपने यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी, किडनी ट्रांसप्लांट और रोबोटिक यूरो-ऑन्कोलॉजी विभाग के अंतर्गत डेडिकेटेड 'मेंस हेल्थ क्लिनिक'की शुरूआत की है। इस क्लिनिक में उन पुरुषों को व्यवस्थित और प्रमाण आधारित उपचार उपलब्ध मिलेगा, जो यौन, प्रजनन, हार्मोनल और यूरिन संबंधी समस्याओं के साथ-साथ पुरुषों में होने वाले कैंसर से जूझ रहे हैं।

इन समस्याओं के व्यापक रूप से पाए जाने के बावजूद, कई पुरुष सामाजिक झिझक तथा यह समझ न होने के कारण कि किस विशेषज्ञ से संपर्क करें, समय पर इलाज नहीं करा पाते। ऐसे में अक्सर मरीज इंटरनेट पर जानकारी खोजते हैं और कई बार अप्रमाणित चिकित्सकों, भ्रम फैलाने वाले विज्ञापनों और असुरक्षित इलाज के जाल में फंस जाते हैं।

मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ में शुरू किया गया यह नया 'मेंस हेल्थ क्लिनिक'इसी कमी को दूर करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यहां प्रशिक्षित यूरोलॉजिस्ट और एंड्रोलॉजिस्ट द्वारा विशेष परामर्श दिया जाएगा, जिससे पुरुषों को सुरक्षित और गोपनीय वातावरण में वैज्ञानिक तरीके से जांच और इलाज की सुविधा मिल सके।क्लिनिक लॉन्च पर मैक्स सुपर



स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ में यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी, किडनी ट्रांसप्लांट और रोबोटिक यूरो-ऑन्कोलॉजी के निदेशक - डॉ. राहुल यादव, ने कहा कि, 'यूरोलॉजिस्ट और एंड्रोलॉजिस्ट पुरुषों की सेक्स सम्बंधी, प्रजनन, हार्मोनल और मूत्र संबंधी समस्याओं के इलाज में विशेष रूप से प्रशिक्षित होते हैं। इस तरह का एक व्यवस्थित क्लिनिक हमें मरीजों का सही तरीके से मूल्यांकन करने और उन्हें सुरक्षित तथा वैज्ञानिक ढंग से इलाज की दिशा में मार्गदर्शन देने में मदद करता है, साथ ही पुरुषों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ाता है।'यहां इरेक्टाइल डिसफंक्शन, शीघ्रपतन, बांझपन, कम टेस्टोस्टेरोन, प्रोस्टेट से जुड़ी समस्याएं, मूत्र संबंधी दिक्कतें और उम्र के साथ होने वाले हार्मोनल बदलाव जैसी कई स्थितियों का मूल्यांकन और इलाज होगा। मरीजों को हार्मोनल जांच, सीमन एनालिसिस, अल्ट्रासाउंड और डॉप्लर स्टडी जैसी जांचों की सुविधा भी मिलेगी, साथ ही व्यक्तिगत और दंपत्ति परामर्श सत्र भी होंगे।इस पहल पर मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, में यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी, किडनी ट्रांसप्लांट और रोबोटिक यूरो-ऑन्कोलॉजी के निदेशक - डॉ. आदित्य के. शर्मा, ने कहा, 'हम हर महीने औसतन 1,000 पुरुष मरीजों को देखते हैं, जिनमें से अधिकांश को अपनी बीमारी के बारे में बहुत कम जानकारी होती है और वह तब आते हैं जब समस्या काफी बढ़ चुकी होती है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा सुरक्षित और सहज मंच तैयार करना है, जहां पुरुष खुलकर अपनी स्वास्थ्य समस्याओं पर बात कर सकें और उन्हें पूरी जांच, सही निदान और समय पर उपचार मिल सके।'इस क्लिनिक की शुरूआत के साथ, मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ पुरुषों को अपनी झिझक छोड़कर समय पर इलाज कराने के लिए प्रेरित करना चाहता है ताकि यह संदेश स्पष्ट रूप से पहुंचे कि पुरुषों से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएं भी सामान्य मेडिकल कंडीशन हैं और इनका इलाज संभव है।

# ताजमहल के सामने शूटिंग करना एक सपना सच होने जैसा था,' राची शर्मा ने कलर्स के 'दो दुनिया एक दिल' के बारे में कहा

कलर्स का 'दो दुनिया एक दिल'अपने प्रीमियर के बाद से ही हर दर्शक के दिल को छू रहा है और उन्हें एक ऐसी दुनिया में ले जाता है जहाँ ऑफलाइन और ऑनलाइन दुनिया अप्रत्याशित तरीकों से टकराती हैं। इस कहानी के केंद्र में हैं शिवाय (विक्रम सिंह चौहान द्वारा निभाया गया किरदार), एक ऐसा व्यक्ति जिसने यह विश्वास रखते हुए अपने सपने बनाए कि तकनीक लोगों के लिए अच्छा कर सकती है, लेकिन एक क्रूर डिजिटल ठगी उसे सब कुछ खोने पर मजबूर कर देती है और वह पूरी तरह टूट जाता है। वहीं दूसरी ओर है आध्या (राची शर्मा द्वारा निभाया गया किरदार), एक युवा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जिसने अपनी पूरी पहचान ऑनलाइन दुनिया में बनाई है। ये दोनों एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, फिर भी प्यार अपना रास्ता बना लेता है। कहानी में बड़ा मोड़ तब आता है जब यह सामने आता है कि आध्या, बलदेव सिंह (सुधांशु पांडे) की बेटी है, वही व्यक्ति जिसने शिवाय की जिंदगी बर्बाद की। ऐसे समय में जब सच बदल सकता है और भरोसा एक क्लिक में टूट सकता है, आध्या खुद को दो दुनियाओं के बीच फंसा पाती है—एक डिजिटल जिंदगी और दूसरी भावनात्मक हकीकत।



अपने इस किरदार को निभाने के अनुभव पर राची शर्मा बताती हैं कि आध्या का सफर उनके लिए कितना रोमांचक है।

शो के बारे में बात करते हुए राची शर्मा ने बताया कि यह कहानी आज के समय की उस सच्चाई को दशार्ती है, जहाँ लोग एक साथ ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों दुनियाओं में जीते हैं, और आध्या का किरदार पूरी तरह डिजिटल दुनिया से जुड़ा हुआ है, जिसकी सोच शिवाय के आने से बदलने लगती है। उन्होंने कहा, 'दो दुनिया एक दिल'आज की उस जिंदगी को दशार्ता हैङ्क आध्या पूरी तरह डिजिटल दुनिया से जुड़ी हुई है, लेकिन शिवाय से मिलने के बाद उसकी सोच बदलने लगती है।'

उन्होंने आगे बताया कि आध्या एक आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी लड़की है, जिसने ऑनलाइन अपनी मजबूत पहचान बनाई है, लेकिन इसके पीछे उसकी भावनात्मक जटिलताएँ भी हैं, जो उसके किरदार को और गहराई देती हैं। उनके अनुसार, 'आध्या बहुत आत्मविश्वासी हैङ्क लेकिन उसके भीतर भावनात्मक जटिलताएँ भी हैं, जो उसकी यात्रा को और दिलचस्प बनाती हैं।'

शूटिंग के अनुभव को याद करते हुए राची ने आगरा में शूटिंग को बेहद खास बताया और कहा, 'आगरा में शूटिंग करना बहुत खास थाङ्क और ताजमहल के सामने शूटिंग करना मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा था।'

उन्होंने शो की प्रासंगिकता पर भी बात की और बताया कि यह कहानी डिजिटल दुनिया के अवसरों और जोखिमों दोनों को उजागर करती है, साथ ही दर्शकों को सतर्क और जागरूक रहने का संदेश देती है। राची ने अपने व्यक्तिगत अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि एक बार उन्हें स्कैम का सामना करना पड़ा था, जिससे उन्होंने ऑनलाइन और ऑफलाइन जिंदगी के बीच संतुलन बनाए रखने की अहमियत को समझा।

आने वाली कहानी को लेकर उन्होंने संकेत दिया कि दर्शकों को आगे गहरी भावनाएँ, अप्रत्याशित मोड़ और जटिल रिश्ते देखने को मिलेंगे, जहाँ यह सवाल उठेगा कि क्या प्यार सच और धोखे के बीच टिक पाएगा।

# ईबीजी ग्रुप ने हार्ड रॉक इंटरनेशनल के साथ साझेदारी की

(जीएनएस)।

* यह साझेदारी भारत के प्रीमियम होम अप्लायंसेज बाजार में ब्रांड-नेतृत्व वाली वृद्धि को वैश्विक इक्विटी और लाइफस्टाइल-प्रेरित उत्पाद नवाचार के संयोजन से आगे बढ़ाने की योजना बनाती है

* उत्पाद शीर्ष रिटेल और डिजिटल चैनलों के माध्यम से लॉन्च किए जाएंगे, शहरी उपभोक्ताओं को प्रदर्शन और लाइफस्टाइल अपील के साथ आकर्षित करेंगे

भारत, 18 मार्च 2026: ईबीजी ग्रुप, जो नवोन्मेषी उपभोक्ता और लाइफस्टाइल समाधान का एक प्रगतिशील खिलाड़ी है, ने हार्ड रॉक इंटरनेशनल के साथ एक रणनीतिक ब्रांड लाइसेंसिंग साझेदारी की घोषणा की है, जिसके तहत भारत में हार्ड रॉक -ब्रांडेड प्रीमियम कॉफी मशीनें और छोटे किचन उपकरण पेश किए जाएंगे। भारत में प्रवेश रणनीति के हिस्से के रूप में, इस साझेदारी को 100 करोड़ रुपये के नियोजित निवेश का समर्थन प्राप्त है, और 5 वर्षों में 500 करोड़ रुपये के राजस्व लक्ष्य का अनुमान है। यह सहयोग भारत के तेजी से बढ़ते प्रीमियम होम अप्लायंसेज सेगमेंट का लाभ उठाने का उद्देश्य रखता है, जिसका वर्तमान मूल्य 29,000 करोड़ रुपये है और

अनुमानित 9% उअ्रक्र से बढ़ रहा है।

वैश्विक स्तर पर, हार्ड रॉक आतिथ्य, मनोरंजन, रिटेल और लाइसेंस प्राप्त लाइफस्टाइल श्रेणियों में फैला हुआ है, जिससे यह दुनिया के सबसे पहचानने योग्य संगीत-प्रेरित ब्रांडों में से एक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है। यह सहयोग भारत के प्रीमियम होम अप्लायंसेज सेगमेंट में हार्ड रॉक की एंट्री को चिह्नित करता है, जो अपने विशिष्ट डिजाइन भाषा और सांस्कृतिक पहचान को आधुनिक रसोईघरों में लाता है। कंपनियों का लक्ष्य शुरूआती वर्षों में लगभग 5% बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है।

लाइसेंसिंग समझौते के तहत, ईबीजी ग्रुप , हार्ड रॉक के बोल्ड और समकालीन ब्रांड एथोस के अनुरूप उत्पादों का डिजाइन, विकास, निर्माण और वितरण करेगा। लॉन्च का पहला चरण प्रमुख महानगरीय बाजारों में होगा, जिसके बाद अन्य प्रमुख शहरों में चरणबद्ध विस्तार किया जाएगा।

साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, ईबीजी ग्रुप के संस्थापक और सीईओ डॉ. इरफान खान ने कहा, 'हार्ड रॉक के साथ साझेदारी हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हार्ड रॉक ऊर्जा, प्रामाणिकता और एक वैश्विक आकांक्षी जीवनशैली का प्रतिनिधित्व करता है। इस लाइसेंसिंग सहयोग के माध्यम से, हम भारतीय उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम कॉफी मशीनों और छोटे किचन उपकरणों का एक अलग पोर्टफोलियो लाने का लक्ष्य रखते हैं, जो प्रदर्शन और ब्रांड अनुभव दोनों को महत्व देते हैं। हमारा ध्यान ऐसे उत्पाद बनाने पर है जो भावनात्मक रूप से जुड़ाव पैदा करें और विश्वस्तरीय गुणवत्ता और विश्वसनीयता प्रदान करें।'

आगामी रेंज में विशिष्ट हार्ड रॉक सौंदर्यशास्त्र को उच्च-प्रदर्शन तकनीक, प्रीमियम सामग्रियों और एक समकालीन, संगीत-प्रेरित लाइफस्टाइल अपील के साथ संयोजित किया जाएगा। उत्पादों को प्रमुख रिटेल चेन, प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और चुनिंदा प्रीमियम वितरण चैनलों के माध्यम से लॉन्च किए जाने की उम्मीद है, जो प्रदर्शन-उन्मुख उपकरणों के साथ मजबूत लाइफस्टाइल पोजिशनिंग की तलाश करने वाले आकांक्षी शहरी उपभोक्ताओं को लक्षित करेंगे।

# 'चिरैया' की टीम ने लखनऊ का दौरा किया; दिव्या दत्ता और निर्देशक शशांत शाह ने सहमति और कहानी कहने पर की अहम बातचीत

**एसवीएफ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और शशांत शाह द्वारा निर्देशित, चिरैया को 20 मार्च से विशेष रूप से जियोहॉटस्टार पर देखें**

लखनऊ, 18 मार्च 2026: जियोहॉटस्टार की आगामी सीरीज चिरैया की टीम हाल ही में एक विशेष मीडिया इंटरैक्शन के लिए लखनऊ पहुंची, जहां प्रख्यात अभिनेत्री दिव्या दत्ता और निर्देशक शशांत शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होकर मीडिया के साथ सार्थक बातचीत की। इस कार्यक्रम की मेजबानी मल्लिका यश अस्थाना ने की, जहां रचनाकारों और मीडिया के बीच एक दिलचस्प और विचारशील संवाद देखने को मिला।




लखनऊ में व्यापक रूप से शूट की गई चिरैया का शहर से गहरा जुड़ाव है, जो इसकी कहानी में यहां की संस्कृति, माहौल और भावनात्मक परतों को खूबसूरती से दशार्ता है। कार्यक्रम के दौरान मीडिया के लिए शो का ट्रेलर भी प्रदर्शित किया गया, जिसने एक ऐसी कहानी की झलक दी जो जटिल मानवीय रिश्तों और विवाह के भीतर सहमति जैसे अक्सर अनकहे विषय को सामने लाती है।

चिरैया अपने परिवेश से प्रामाणिकता ग्रहण करती है, जो इसके पात्रों और उनकी यात्राओं को एक सजीव और संवेदनशील रूप में प्रस्तुत करती है। मूल रूप से हिंदी में शूट की गई इस सीरीज को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने के लिए निमार्ताओं ने इसे 11 अन्य भाषाओं— बंगाली, मराठी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, भोजपुरी, ओड़िया, गुजराती, हरियाणवी और राजस्थानी— में भी डब किया है।इस मीडिया इंटरैक्शन में शो के निर्माण, रचनात्मक निर्णयों और इसके सामाजिक संदर्भ पर भी चर्चा की गई। यह खुला और ईमानदार संवाद शो के उस उद्देश्य को और मजबूत करता है, जिसके तहत यह कहानी के माध्यम से जागरूकता बढ़ाना चाहता है।चिरैया को 20 मार्च से केवल जियोहॉटस्टार पर देखें

# पीलीभीतः किसान यूनियन ने ठोका सवाल – घटिया सड़कें, लेट गेहूं खरीद, प्रशासन पर ज्ञापन

(जीएनएस)।

पीलीभीत1भारतीय किसान यूनियन (टिकैत)ने गेहूं खरीद व्यवस्था और खराब सड़कों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। संगठन के युवा जिलाध्यक्ष गुरदीप सिंह (गोगी) के नेतृत्व में मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन को दो अलग-अलग ज्ञापन सौंपे गए हैं। इनमें किसानों की समस्याओं और प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर चिंता व्यक्त की गई है।

यूनियन ने मुख्य जिला अधिकारी को सौंपे पत्र में वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं खरीद नीति में सुधार की मांग की है। संगठन का कहना है कि इस वर्ष प्रति हेक्टेयर 70 क्विंटल गेहूं उत्पादन की उम्मीद है, लेकिन खरीद सीमा काफी कम रखी गई है। इससे किसान अपनी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) पर नहीं बेच पाएंगे और उन्हें भारी नुकसान होगा।

यूनियन ने गेहूं खरीद से संबंधित कई प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें जिले में

वर्तमान 108 क्रय केंद्रों की संख्या दोगुनी करने, प्रतिदिन कम से कम 600 क्विंटल गेहूं की खरीद सुनिश्चित करने और केंद्रों पर फर्जी टोकन जारी करने की प्रक्रिया बंद करने की मांग शामिल है। संगठन ने पहले आने वाले किसान की तौल पहले करने और पारदर्शिता के लिए हर केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे लगाकर उनकी निगरानी करने की भी मांग की है। एक अन्य मांग पत्र में यूनियन ने लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) के अंतर्गत 'इस-7 किलोमीटर मार्ग' के निर्माण में हुए भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया। पत्र में आरोप लगाया गया है कि संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों की मिलीभगत से घटिया निर्माण कराया गया है। संगठन ने इसकी उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

भारतीय किसान यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर इन मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो संगठन क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा। यूनियन ने कहा कि इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। इस दौरान युवा जिला महासचिव बलजीत सिंह, मेहर चंद वर्मा और यमुना प्रसाद शर्मा सहित कई पदाधिकारी और किसान मौजूद रहे।

# पूरनपुर में कीटनाशक छिड़काव करते मजदूर की मौतः संदिग्ध परिस्थितियों में बिगड़ी तबीयत, अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ा

(जीएनएस)।

पीलीभीत,पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम पंजाबा में मंगलवार को एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। 50 वर्षीय सुरेश खेत में कीटनाशक दवा का छिड़काव कर रहे थे, तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई।

ग्राम पंजाबा निवासी सुरेश (50 वर्ष) पुत्र गोधनलाल पेशे से मजदूर थे। वह अपने परिवार का भरण-पोषण मेहनत-मजदूरी करके करते थे। मंगलवार को वह गांव के ही बालक राम के खेत में कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव करने गए थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुरेश सुबह से ही खेत में काम कर रहे थे। दोपहर करीब 3:00 बजे जब वह खेत के बीचों-बीच दवा का छिड़काव कर रहे थे, तभी अचानक उन्हें चक्कर आया और उनकी तबीयत तेजी से






बिगड़ने लगी।

कीटनाशक की गंध या संभवतः शारीरिक कमजोरी के कारण वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। खेत के दूसरे हिस्से में काम कर रहे अन्य मजदूरों और ग्रामीणों ने उन्हें जमीन पर पड़ा देखा, तो तुरंत उनके पास पहुंचे और परिजनों को सूचित किया।

परिजन और ग्रामीण आनन-फानन में सुरेश को लेकर पूरनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (उलउ) पहुंचे। वहाँ मौजूद डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद सुरेश को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों का अनुमान है कि कीटनाशक के अत्यधिक प्रभाव या दम घुटने के कारण अस्पताल पहुँचने से पहले ही उनकी मृत्यु हो चुकी थी।

सुरेश की मौत की खबर सुनते ही अस्पताल परिसर में मौजूद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

**पुलिस की कार्रवाई**

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और मामले की जानकारी ली। थाना अध्यक्ष पवन पांडे ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और उसे पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है। उन्होंने कहा, "पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है।"

# पीलीभीत में गैस सिलेंडर फटने से घर में लगी आगः फर्नीचर, कपड़े और राशन जलकर राख; फायर ब्रिगेड टीम ने काबू पाया

(जीएनएस)।

पीलीभीत,अमरिया क्षेत्र में बुधवार सुबह एक घर में गैस सिलेंडर फटने से आग लग गई। धनकुना अड्डे के पास स्थित इस रिहायशी मकान में लगी आग से हजारों रुपये का फर्नीचर, कपड़े और घरेलू सामान जलकर राख हो गया।

यह घटना बुधवार सुबह करीब 6 बजे अमरिया तहसील के ग्राम निवासी बाबूराम के घर में हुई। परिवार के सदस्य दैनिक कार्यों में व्यस्त थे, तभी रसोई में रखे गैस सिलेंडर में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि परिवार को संभलने का मौका नहीं मिला। घर से धुआं और आग की लपटें उठती देख आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।

ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सिलेंडर में लगी आग को नियंत्रित नहीं कर पाए। तत्काल दमकल



विभाग को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम दमकल वाहनों के साथ मौके पर पहुंची। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (उत्रह्ळ) के नेतृत्व में दमकलकर्मियों ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझने तक बाबूराम के घर को भारी नुकसान हो चुका था। घर में रखा महंगा फर्नीचर, अनाज, राशन, बिस्तर, कपड़े, अन्य कीमती दस्तावेज और नकदी पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। पीड़ित परिवार के अनुसार, इस घटना में उन्हें हजारों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है।

गनीमत रही कि इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई। परिवार के सभी सदस्य समय रहते घर से बाहर निकलने में सफल रहे। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी (उत्रह्ळ) अनुराग सिंह ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है और फिलहाल आग लगने के सटीक तकनीकी कारणों की जांच की जा रही है।

# दियोरिया बीसलपुर मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा

**पूरनपुर की तरफ से आ रही अनियंत्रित कार ने ई रिक्शा में मारी टक्कर।**

**इलांवास मेले में जा रहा था श्रद्धालुओं से भरा ई रिक्शा।**

**दो लोगों की मौत 7 गंभीर घायल।**

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बीसलपुर। दियोरिया बीसलपुर मार्ग पर बहादियां वीरसिंहपुर चौराहे पर बुधवार दोपहर को हुए भीषण सड़क हादसे में तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने सबारियों से भरे ई रिक्शा में टक्कर मार दी टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और कार अनियंत्रित होकर दुकान के सामने खड़ी ट्राली से टकरा गई इस हादसे में एक 60 वर्षीय महिला सहित एक 12 वर्षीय किशोर की मौत हो गई जबकि 7 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं जिन्हें इलाज के लिए बीसलपुर सीएचसी भेजा गया है हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई घटना की सूचना मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रगति चौहान थानाध्यक्ष गौतम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने घायलों को अस्पताल भेजा।

बिलसंडा थाना क्षेत्र के गांव मार

पगार और बबूरा के ग्रामीण ई रिक्शा पर सवार होकर इलांवास देवल पर लगे चैती मेला देखने के लिए जा रहे थे जैसे ही ई रिक्शा दियोरिया कोतवाली क्षेत्र के गांव वीर सिंह पुर बहादियां चौराहे के पास पहुंचा तभी सामने से तीव्र गति से आ रही कार ने ई रिक्शा में टक्कर मार दी जिससे ई रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ट्राली से टकरा गई हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई तमाम ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्होंने घायलों की मदद की सूचना मिलते ही तत्काल दियोरिया थानाध्यक्ष गौतम सिंह पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रगति चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने घायलों को अस्पताल भेजा।

राहुल पुत्र श्रीपाल -12 वर्ष, जसोदा देवी पत्नी राममूर्ति -60 की मौके पर ही मौत हो गई मृतक बिलसंडा थाना क्षेत्र के गांव बबूरा के निवासी बताए गए हैं।

जबकि मुनेंद्र पुत्र मुनीश -26 वर्ष, अमन पुत्र श्रीपाल -12 वर्ष, अन्नपूर्णा पत्नी श्रीपाल -40 वर्ष, राजेश्वरी पत्नी राजू -30 वर्ष निवासी मार पगार थाना बिलसंडा, सुधा पुत्री श्रीपाल -10 वर्ष, शोभा पुत्री संजय*4 वर्ष, काजल पुत्री रामदुलारे -15 वर्ष, अनामिका पत्नी जगदीश निवासी ग्राम बबूरा थाना बिलसंडा घायल हुए हैं। हालत गंभीर होने पर घायलों को जिला अस्पताल

# पीलीभीत में करोड़ों के गबन कांडः लिपिक निलंबित, मुख्य आरोपी की मदद का आरोप, 35 संदिग्ध बैंक खाते फंसे

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जिला विद्यालय निरीक्षक (उक्रडर) कार्यालय में करोड़ों रुपये के गबन के मामले ने प्रशासन को हिलाकर रख दिया है। संयुक्त शिक्षा निदेशक ने वेतन बिल पटल के लिपिक विमल कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन पर मुख्य आरोपी चपरासी इल्हाम शम्सी की मदद करने का गंभीर आरोप लगा है। जांच में सामने आया है कि इल्हाम ने लिपिक की आईडी का दुरुपयोग कर सरकारी खातों से भारी रकम की हेराफेरी की।

2015 में चपरासी के पद पर तैनात हुए इल्हाम शम्सी ने धीरे-धीरे सिस्टम में अपनी पैठ मजबूत की और 2019 से सरकारी धन की लूट मचानी शुरू कर दी। उसने विमल कुमार की आईडी से विभागीय खातों से करोड़ों रुपये निकालकर अपने रिश्तेदारों व करीबियों के खातों में ट्रांसफर कर दिए। अब तक की जांच में करीब 35 संदिग्ध बैंक खातों का पता चल चुका है। इनमें इल्हाम की पत्नी अर्शी खातून के खाते में एक करोड़ रुपये, बुलंदशहर निवासी रिश्तेदार फहद




खान के खाते में 42 लाख रुपये ट्रांसफर होने की पुष्टि हुई है।

**मणिपुर तक फैला गबन का जाल**

जांच एजेंसियों को मणिपुर की एक महिला के खाते में भी धन ट्रांसफर के संकेत मिले हैं। इसके अलावा तीन अन्य खातों में 50-50 लाख रुपये भेजे जाने की पुष्टि हो चुकी है। आरोपी इल्हाम ने गबन की गई राशि का बड़ा हिस्सा रियल एस्टेट में निवेश कर लिया था। कुल 98 ट्रांजैक्शन के जरिए यह हेराफेरी की गई। मामला बैंक की सतर्क रिपोर्ट पर जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देश पर गठित जांच टीम ने खोला।

**पत्नी गिरफ्तार, इल्हाम पर पुलिस का शिकंजा**

पुलिस ने इल्हाम की पत्नी अर्शी खातून को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, लेकिन मुख्य आरोपी इल्हाम शम्सी अभी फरार है। जिले में तैनात चार पुलिस टीमें उसकी तलाश में दबिशें दे रही हैं, मगर अब तक कोई सफलता नहीं मिली। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि शासन स्तर पर गठित जांच कमेटी मामले की गहन जांच कर रही है। विमल कुमार के निलंबन के बाद 2019 से तैनात अन्य अधिकारियों व कोषागार कर्मियों की भूमिका की भी परत दर परत जांच चल रही है।

यह मामला सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करता है। जनता में आक्रोश व्याप्त है और सभी को उम्मीद है कि मुख्य आरोपी को शीघ्र पकड़ लिया जाएगा।

# सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला अदालत की अनुमति के बिना पुलिस नहीं कर सकती आगे की जांच।

(जीएनएस)।

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मामलों की जांच प्रक्रिया को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि पुलिस किसी भी मामले में अपनी मर्जी से आगे की जांच शुरू नहीं कर सकती। अदालत ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 173(8) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएन एसएस) की धारा 193(9) के तहत यदि पुलिस को चार्जशीट दाखिल करने के बाद आगे की जांच करनी हो, तो इसके लिए



संबंधित अदालत से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियों को पहले अदालत के सामने यह स्पष्ट करना होगा कि मामले में आगे की जांच क्यों आवश्यक है और कौन से नए तथ्य या साक्ष्य सामने आए हैं। अदालत इस आधार पर तय करेगी कि आगे की जांच की अनुमति दी जाए या नहीं अदालत का मानना है कि बिना न्यायिक अनुमति के आगे की जांच शुरू करने से न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है और अभियुक्तों के अधिकारों पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए जांच की प्रक्रिया पर न्यायालय की निगरानी आवश्यक है।

# पीलीभीत में घरेलू गैस संकटः नर्मदा गैस एजेंसी पर लंबी लाइनें, मैनेजर की दबंगई से उपभोक्ता परेशान

(जीएनएस)।

पीलीभीत। न्यू टनकपुर बाईपास स्थित नर्मदा भारत गैस एजेंसी पर घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह से शाम तक लगी लंबी-लंबी कतारों में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे घंटों खड़े होकर परेशान हो रहे हैं। गैस एजेंसी पर स्टॉक की कमी के कारण उपभोक्ताओं को बिना गैस सिलेंडर लौटना पड़ रहा है।मंगलवार को स्थिति तब और बिगड़ गई जब एजेंसी मैनेजर ने उपभोक्ताओं की शिकायतों को दरकिनार कर दबंगई दिखाई। परेशान उपभोक्ताओं ने जब इसका विरोध किया तो मैनेजर ने उन्हें धमकियां देकर भगा दिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय मीडिया कर्मी खबर लेने पहुंचे, लेकिन मैनेजर



ने उन्हें वीडियो बनाने से सख्ती से रोक दिया और अभद्रता भरी भाषा का इस्तेमाल किया।मीडिया कर्मियों द्वारा इसकी सूचना जिलाधिकारी को दी गई। डीएम पीलीभीत ने此事 पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर वितरण में किसी प्रकार की समस्या हो रही है तो गैस एजेंसी मालिक को नपना पड़ेगा। उन्होंने जिला सप्लाई अधिकारी को तत्काल मौके पर पहुंचकर जायजा लेने और पूरी स्थिति का रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।उपभोक्ताओं का कहना है कि लगातार गैस की कमी से घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहा है। एक उपभोक्ता ने बताया, "हम लोग सुबह चार बजे से लाइन में लग जाते हैं, लेकिन गैस मिल ही नहीं रही। मैनेजर साहब तो बस गालियां देते हैं।" जिला प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि दोषी पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी और गैस वितरण सुचारू बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

# क्रीड़ा समारोह में भाग लेने वाले विजयी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बीसलपुर ।राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, में 49वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह आयोजित किया गया। समारोह का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक विवेक कुमार वर्मा व महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 (डॉ०) अलका मेहरा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। शालू और संजना ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। प्राचार्या डॉ0 अलका मेहरा ने मुख्य अतिथि को बुके देकर व बैज लगाकर स्वागत किया। क्रीड़ा प्रभारी डॉ0 पवन त्रिवेदी ने दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह की आख्या प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि क्रीड़ा में जीतना जितना महत्वपूर्ण है उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में भाग लेना है।

क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में हमेशा स्वस्थ मानसिकता के साथ हमें प्रतिभाग करना चाहिए। सफलता और असफलता का इसमें कोई भी महत्व नहीं होता है। खेलकूद में भाग लेने वाले प्रतिभागी का स्थान महत्वपूर्ण होता है। प्रतियोगिता में



प्रथम, द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ट्राफी व मैडल देकर पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही वार्षिक क्रीड़ा समारोह में प्रतिभाग करने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को मैडिल देकर सम्मानित किया गया।यह मैडल विद्यार्थियों में खेल भावना व आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए दिये गये।धन्यवाद ज्ञापन क्रीड़ा प्रभारी डॉ0 पवन त्रिवेदी ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० विकास प्रधान ने किया।

वार्षिक क्रीड़ा समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ0 सुनील कुमार, डॉ0 विकास प्रधान, डॉ0 चन्द्रप्रभा गंगवार, डॉ0 महेश बाबू, डॉ0 सुनीत कुमार साहनी,डॉ0 महेंद्र पाल, डॉ0 रजत गंगवार, डॉ0 जगदम्बा व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में कार्यालय अधीक्षक दिनेश कुमार, राम कुमार , वी०के० सिंह , जाकिर अली, चुन्नीलाल, श्री राजेंद्र, दिलशाद, राजकुमार, गौतम, आकाश, मुंशी का विशेष सहयोग रहा। क्रीड़ा समारोह के द्वितीय दिवस 1500 मीटर दौड़ छात्र , 200 मीटर दौड़ छात्र/छात्रा, लम्बी कूद छात्र /छात्रा, भाला फेंक छात्र/छात्रा , चक्का फेंक आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।